Article Date	Headline / Summary	Publication
15 Jul 2026	OPD cover becomes a shield for health and savings during the monsoon	Vishwavarta(Hindi)

मानसून में ओपीडी कवर बना स्वास्थ्य और बचत की ढाल

अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर- कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मानसून का मौसम अपने साथ राहत भरी बारिश लाता है, लेकिन डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। 2025 में भारत में इन बीमारियों के करीब 11.5 लाख मामले दर्ज किए गए। इनमें डेंगू के 1.21 लाख, चिकनगुनिया के 2.13 लाख, मलेरिया के 2.32 लाख और टाइफाइड के लगभग 5.67 लाख मामले शामिल रहे। बारिश के दौरान जलभराव, गंदा पानी और खराब स्वच्छता इन संक्रमणों के फैलने की बड़ी वजह बनते हैं।

इन बीमारियों का इलाज आमतौर पर अस्पताल में भर्ती होने से पहले डॉक्टर की सलाह, ब्लड टेस्ट और दवाओं से शुरू होता है। ऐसे में इलाज का शुरुआती खर्च मरीज को अपनी जेब से उठाना पड़ता है। यहीं पर हेल्थ इंश्योरेंस का ओपीडी (आउट पेशेंट) कवर आर्थिक

डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी मौसमी बीमारियों के इलाज में डॉक्टर, जांच और दवाओं के खर्च से मिलती है राहत

राहत देता है।

ओपीडी कवर के तहत डॉक्टर कंसल्टेशन, डायग्नोस्टिक टेस्ट, दवाइयां, टेली-कंसल्टेशन और कई मामलों में प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इससे बीमारी का समय रहते पता चल जाता है और गंभीर स्थिति बनने से पहले इलाज संभव हो जाता है। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी है।

आज कई इंश्योरेंस कंपनियां ऐप के जरिए डॉक्टर से ऑनलाइन सलाह, डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन और कैशलेस लैब टेस्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रही हैं। कई योजनाओं में वेलनेस प्रोग्राम और वार्षिक हेल्थ चेकअप का लाभ भी शामिल होता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पॉलिसी लेने से पहले ओपीडी कवर में मिलने वाली सुविधाओं, नेटवर्क अस्पतालों और क्लेम प्रक्रिया की पूरी जानकारी जरूर लेनी चाहिए। मानसून के मौसम में सही हेल्थ इंश्योरेंस और ओपीडी कवर न केवल बेहतर इलाज सुनिश्चित करता है, बल्कि परिवार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को भी काफी हद तक कम करता है।